



॥ श्री गणेशाय नमः ॥

हिन्दी पक्षिक Fort Nightly
Baat Hindustan Ki

बात हिन्दुस्तान की Baat Hindustan Ki



R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

• विक्रम संवत् 2080 फाल्गुन कृष्ण पक्ष षष्ठी, 1 मार्च से 15 मार्च 2024, 1 March to 15 March 2024, • वर्ष 3 (Year-3), • अंक 55 • पृष्ठ 4 (Page-4) • मूल्य ₹.2 (Price 2/-)

पवन सिंह ने क्यों किया चुनाव लड़ने से इनकार?

पटना / आसनसोल : भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह ने चुनाव मैदान में उतरने के पहले ही हथियार डाल दिए। क्यों? क्या फिल्म अभिनेता से राजनेता बने बिहारी बाबू शत्रुघ्न सिन्हा से मुकाबला की नौबत से बचने के लिए? या, 2022 के उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस की भाजपा प्रत्याशी पर बड़ी हार का डर समझने के बाद यह फैसला लिया। या, 2022 के उपचुनाव में तृणमूल के अकेले लड़ने और इस बार वामदल और कांग्रेस समेत इंडी एलायंस के साझा उम्मीदवार के सामने खुद को अकेला पाने के डर से यह निर्णय लिया। पवन सिंह ने लिखा- 'पार्टी ने मुझ पर विश्वास करके आसनसोल का उम्मीदवार घोषित किया, लेकिन किसी कारणवश मैं आसनसोल से चुनाव नहीं लड़ पाऊंगा।' मतलब, यह तो पक्का है कि उन्हें आसनसोल से ही संकट है। वह भी तब, जबकि उनका नाम आने के बाद भाजपा की नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री रह चुके बाबुल सुप्रियो ने तृणमूल में होने के बाद भी लिखा था- 'आसनसोल को पवन सिंह मुबारक हो'।



खांटी बंगाली स्वभाव का नहीं है। यहां बिहारियों के खिलाफ शोष बंगाल जैसा भाव नहीं है। भोजपुरी फिल्मों का भी यहां ठीकठाक क्रेज है और हिंदी का तो पहले से है। इसी कारण शत्रुघ्न सिन्हा के सामने पवन सिंह को लाया गया था। लेकिन, एक तो शत्रुघ्न सिन्हा की पहचान बिहारी बाबू के रूप में है और फिल्मी जगत में भी पवन सिंह उनके सामने

बच्चा हैं। इसके अलावा दोनों बिहारी हैं और एक बिहारी दिग्गज अभिनेता के सामने उतरना पवन सिंह को उचित नहीं लगा हो। हालांकि, पवन सिंह की उम्मीदवारी वापसी के फैसले से यह साबित हो गया कि उनकी शत्रुघ्न सिन्हा से भी बात हुई और यह भी पक्का है कि इस सीट पर तृणमूल फिर उन्हीं को उतारने वाली है।

पवन के मन में वोटों का यह अंतर भी जरूर होगा : भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह ने आसनसोल से चुनाव लड़ने से इनकार किया तो कहीं न कहीं एक वजह पिछले चुनाव के आंकड़े भी होंगे। 2019 की बात होती तो कोई भी पांच साल में बदलाव का हिसाब समझता। लेकिन, अभी दो साल भी नहीं हुए यहां उप चुनाव के। अप्रैल 2022 के लोकसभा उपचुनाव में आसनसोल सीट से बिहारी बाबू शत्रुघ्न सिन्हा ने बड़ी जीत हासिल की थी। वह तृणमूल के प्रत्याशी थे और भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल को बड़े अंतर से हराया था। शत्रु को साढ़े छह लाख वोट मिले थे, जबकि अग्निमित्रा को साढ़े तीन लाख मत ही मिले थे। पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ बने विपक्षी गठबंधन की रही-सही एकता भी कायम रह गई तो भाजपा के लिए यह सीट आसान नहीं होगी। भाजपा प्रत्याशी को 2022 के उप चुनाव में शत्रुघ्न के मुकाबले तीन लाख वोट कम आए थे, जबकि तब वामपंथी और कांग्रेसी प्रत्याशी ने एक लाख से ज्यादा वोट हासिल किए थे। करीब दो साल पहले के आंकड़ों को मिलाकर विपक्षी एकता की ताकत देखें तो साढ़े सात लाख के मुकाबले भाजपा के खाते में साढ़े तीन लाख वोट हैं।

लिस्ट जारी होते ही मिशन मोड में पीएम मोदी, 'भारत यात्रा' की तैयारी

10 दिनों में 12 राज्यों का धुंआधार दौरा

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले 'भारत दौर' की तैयारी में हैं। वह अगले 10 दिनों में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 29 कार्यक्रमों में भाग लेंगे। बीजेपी ने अपने 195 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की थी जिसके बाद से पीएम मोदी मिशन मोड में नजर आ रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री तेलंगाना, तमिलनाडु, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, जम्मू-कश्मीर, असम, अरुणाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और दिल्ली का दौरा करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सोमवार को तेलंगाना के आदिलाबाद में कई विकास परियोजनाओं का अनावरण करेंगे। इस बाद वह तमिलनाडु के कलपक्कम में भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) का दौरा करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि वह आदिलाबाद के साथ-साथ चेन्नई में भी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी तेलंगाना के संगारेड्डी



में कई परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह ओडिशा में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, मोदी पश्चिम बंगाल रवाना होने से पहले ओडिशा में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। कोलकाता में विकास परियोजनाओं के साथ गंगा नदी के नीचे बना देश का पहला मेट्रो का उद्घाटन करेंगे और बारासात में जनसभा को संबोधित करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि इसके बाद मोदी बिहार जाएंगे और बेतिया में कई

विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे। मोदी अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग में सेला सुरंग का उद्घाटन करेंगे और फिर ईटानगर में कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद वह असम के जोरहाट में अहोम सम्राज्य के महान सेनापति लाचित बोडफुकन की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद प्रधानमंत्री जोरहाट में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। मोदी उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में विभिन्न परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसी बीच पीएम मोदी दिल्ली में नमो ड्रोन दीदी और लखपति दीदी से जुड़े एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद वह द्वारका एक्सप्रेसवे के हरियाणा खंड का उद्घाटन करेंगे। इसी दिन शाम को वह रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी गुजरात के साबरमती और राजस्थान के पोखरण का दौरा करेंगे।



मध्य हावड़ा के नेताजी सुभाष रोड से घुसुड़ी धाम के लिए निशान यात्रा निकाली गई। झांकियों के संग गीत गाते श्रद्धालु घुसुड़ी धाम पहुंचे। कार्यक्रम के बारे में अनिल बाठिया ने बताया कि पिछले सात वर्षों से श्याम भक्तों द्वारा यह निशान यात्रा निकाली जा रही है। इस यात्रा में 250 श्याम भक्तों ने हिस्सा लिया था। इसके पहले रात को खाटू वाले श्याम बाबा के महिमा का बखान किया गया था।

लोकसभा चुनाव के घोषणा से पहले ही प्रचार शुरू

हावड़ा : लोकसभा चुनाव के तारीखों की घोषणा अभी चुनाव आयोग ने नहीं की है। भाजपा के द्वारा उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की गई। इसके बाद हावड़ा सदर लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार रथीन चक्रवर्ती ने अपने घर से निकलकर इलाके में स्वामी विवेकानंद जी के मूर्ति पर माल्यार्पण किया इसके बाद इलाके में ही स्थित सिद्धेश्वरी मंदिर और एक अन्य मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद चुनाव प्रचार शुरू कर दिया। उन्होंने दीवार लेखन के साथ ही अपना चुनाव प्रचार शुरू किया है। भाजपा समर्थकों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार मोदी जी के



विकास के रेल पर सवार होकर हावड़ा का विकास करने के लिए वह तत्पर हैं इतने दिनों से हावड़ा का विकास ठप पड़ा है नवानो होने के बावजूद यहां पर जिस हिसाब से विकास होना

चाहिए नहीं हुआ। अतः उनका पहला मुद्दा विकास का होगा। हावड़ा नगर निगम का चुनाव पिछले कई वर्षों से नहीं किया गया, जिसका असर विकास पर पड़ा है।

Lapcure Health Care Pvt. Ltd.
302, G.T. Road (South), Shilpur, Howrah: 711102

Service to the Nation

The Best Center for laproscopic, Micro and Laser Surgery.

- One free gall bladder stone operation on every Friday
- Lap Cholecystectomy
- Lap hernioplasty
- Lap total laproscopic hysterectomy
- Lap appendectomy
- Lap kidney stone removal with laser
- Laser piles, fistula, fissure operation

सरकारी स्वास्थ्य कारी कार्य एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाएं पर 100 प्रतिशत किफायत

6 हजार से ज्यादा
100 प्रतिशत सफल
ऑपरेशन

033 2688 0943 / 9874880657 / 9874880258 / 9330939659
email: lapcurehealthcare23@gmail.com

Super Speciality Doctor's Clinic | Diagnostics | Health checks
Treatment Room | Diabetes Care | Vaccination | Health@home

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 9 मार्च को

मधुबनी (कुमार गौरव) : माननीय सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश पर विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आगामी 9 मार्च 2024 को मधुबनी, बेनीपट्टी और झंझारपुर में होगा। इसलिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार की अध्यक्ष जिला जज अनामिका टी ने आज मधुबनी व्यवहार न्यायालय में जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखा कर खाना किया। रैली का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव तेज कुमार प्रसाद कर रहे थे। वहीं राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जिला जज अनामिका टी ने मीडिया व जागरूकता रैली के माध्यम से जिले के लोगों से अपील करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी प्रकार के अपराधिक सुलहनीय, एन.आई. एक्ट. धारा 138 वाद. बैंक ऋण. मोटर वाहन दुर्घटना. वैवाहिक. श्रम विवाद. सहित विद्युत तथा पानी बिल. बिजली बिल विवाद (चोरी के असुल-हनीय मामले छोड़ कर) (वैतन भत्ता. एवं सेवा निवृत्त



लाभ से संबंधित) अन्य दीवानी वाद (किराया. सुखाधिकार निषेधाज्ञा) एवं अन्य मामले निपटाने के लिए तैयारी जोर सौर से शुरू है। मौके पर मौजूद व्यवहार न्यायालय में परिवार न्यायालय के न्यायाधीश एडीजे श्री राकेश कुमार बच्चन, एडीजे शरैयद एमडी फजलुल बाड़ी, एडीजे श्री पुनीत मालवीय, एडीजे श्री वेद प्रकाश मोदी, एडीजे श्री मंजूर आलम, एडीजे श्री संकाश चंद्रा, एडीजे श्री गौरव आनंद, एडीजे श्री देवेश कुमार, सीजेएम श्री मनोज कुमार 6, एसीजेएम अंजनी कुमार गौर, एसीजेएम अनूप सिंह सहित व्यवहार न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायालय कर्मी मौजूद। वहीं रैली में पारलीगल वोलेंटीयर शामिल हुए।

असली पुलिस के बीच नकली दारोगा करता रहा काम, हुआ गिरफ्तार

दरभंगा : एक से एक कलाकार दरभंगा शहर में मौजूद है जिनकी कला की जानकारी मिलने के बाद लोग आवक रह जाते हैं। दरभंगा शहर में वाहन चेकिंग करते एक नकली दारोगा को रोहथों गिरफ्तार कर लिया गया। जब वर्दीधारी नकली दारोगा को दबोचा गया, तो मिर्जापुर चौक पर तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मी देखकर अवाक रह गए। किसी को विश्वास नहीं हो रहा था कि जिस दारोगा के नेतृत्व में पुलिसकर्मी कार्य कर रहे हैं, वह नकली हो सकता है। दारोगा को पकड़ते हुए

देख वहां पर भीड़ लग गई और लोगों में हड़कंप मच गया। ट्रैफिक थाना प्रभारी कुमार गौरव को किसी व्यक्ति ने सूचना दी थी कि शहर में एक नकली दारोगा वाहनों को रोक कर पैसा वसूली करता है। उपस्थित लोगों को बताया गया कि जिसको पकड़ा गया है वह असली नहीं नकली दारोगा है। चौक पर उपस्थित लोग कड़ी सजा देने की मांग करने लगे। नकली दारोगा को भीड़ से किसी तरह गिरफ्तार कर नगर थाना लाया गया, जहां पूछताछ में वह अपना पता कभी दरभंगा तो कभी मधुबनी

जिला का निवासी होने की बात कह रहा था, वहीं बार-बार नाम बदल रहा था। कड़ाई से पूछताछ में अपना नाम अशोक कुमार साह बताया जो मनीगाड़ी थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव का निवासी है। वह प्रतिदिन बाइक से दरभंगा शहर आकर वाहन चेकिंग करता था। बताया जाता है कि ऐसे पोस्ट पर वाहन चेकिंग करता था, जहां पुलिस पदाधिकारी की जगह सिर्फ ट्रैफिक सिपाही तैनात रहा करते थे। ट्रैफिक सिपाही को झांसा देकर वाहन चेकिंग कर रुपए की वसूली करता था। नकली दारोगा ने

जस्टिस गांगुली चाहते हैं अपना प्रचार

हावड़ा : राज्य मंत्री बाबुल सुप्रिया ने राजनीति में शामिल होने की इच्छा व्यक्त करने के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय की आलोचना की है। शिवपुर स्थित अपने फ्लैट पर एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा, 'जस्टिस गंगोपाध्याय अपनी योजना के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं। वह अपना प्रचार चाह रहे हैं। मेरी राजनीतिक बुद्धि के अनुसार, वह 2026 के चुनावों में भाजपा का मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह वास्तव में समाज में सुधार करना चाहते थे, तो जिस पार्टी में वह शामिल होना चाहते थे, उसके भ्रष्ट लोगों को सीबीआई और ईडी जांच के माध्यम से जेल भेज देते। ऐसा करने के बजाय, वह अपना टिकट काटना चाहता है।

बंगाल में शिशु मृत्यु दर घटी : राज्य स्वास्थ्य विभाग

कोलकाता : बंगाल में नवजात शिशुओं की मृत्यु दर में गिरावट दर्ज की जा रही है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, 2022 की तुलना में पिछले साल कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में कमी आई है। स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के सरकारी अस्पतालों के सिक न्यूबार्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) के प्रभारी डाक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शनिवार को बैठक की, इसमें यह जानकारी सामने आई है। अधिकारियों का कहना है कि शिशु मृत्यु दर को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, मृत्यु दर 2022 की तुलना में प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 19 से घटकर 18 हो गई है। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। पर राज्य स्वास्थ्य विभाग ने इसकी जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को दी है। बैठक में अस्पतालों में बुनियादी ढांचे की कमी के अलावा, कई अस्पतालों में पर्याप्त डाक्टरों की कमी पर भी चर्चा हुई। बताया गया कि कुछ अस्पतालों में पर्याप्त बेड की कमी है। नतीजतन जिला और उपमंडल स्तर के अस्पतालों में बेड की कमी के कारण नवजात शिशुओं या बच्चों को अन्यत्र रेफर किया जा रहा है। बैठक में कुछ अस्पतालों ने कहा कि जिला और उपमंडल क्षेत्रों में छोटे और मध्यम नर्सिंग होम हैं। जहां जन्म लेने वाले कुछ शिशुओं की स्थिति खराब हो जाती है तो बुनियादी ढांचे की कमी के कारण नर्सिंग होम उन बीमार नवजात शिशुओं को उपमंडल या जिला अस्पतालों में रेफर कर देते हैं। इससे बेड की समस्या बढ़ जाती है। राजधानी कोलकाता के अस्पतालों पर अधिक दबाव है। उदाहरण के लिए महानगर के फूलबागान में बीसी राय शिशु अस्पताल को लिया जा सकता है।

बी एफ साइडिंग रेलवे अस्पताल में स्वास्थ्य परीक्षण



हावड़ा : रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन की ओर से हावड़ा के बी एफ साइडिंग रेलवे के अस्पताल में आज रेलवे से रिटायर्ड हुए और पेंशनर्स एसोसिएशन के सदस्यों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया इस प्रशिक्षण शिविर में दक्षिण पूर्व रेलवे के कार्डियोलॉजिस्ट गोल्ड मेडलिस्ट डॉ बी एन झा उपस्थित थे इनके साथ ही और अन्य कई डॉक्टरों की टीम कैम्प में लोगों की स्वास्थ्य परीक्षा की इस दौरान 100 से ज्यादा की संख्या में रेलवे से रिटायर्ड किए हुए कर्मचारियों ने अपना हेल्थ चेकअप कराया लोगों को डॉक्टर के द्वारा कई तरह के सुझाव व सलाह दिए गए उम्र के साथ खानपान वह रहन-सहन पर ध्यान देते हुए नियमित दिनचर्या का पालन करने की सलाह चिकित्सकों के द्वारा कैम्प में आए हुए लोगों को दी गई साथ ही उन लोगों को एक सेमिनार कर बताया गया कि वह किस तरह से इस बढ़ते उम्र के पूर्व में अपने आप को भी स्वस्थ रख सकते हैं। वहीं रेलवे पेंशन संगठन के सदस्यों का कहना है कि इस तरह के स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करने से कई ऐसे वयस्क लोग हैं जो दक्षिण पूर्व रेलवे के गार्डनरीच अस्पताल जाने में दिक्कत होती है उन लोगों के लिए इस शिविर से काफी लाभ हुआ है।

दुर्लभ बीमारी से पीड़ित बच्चों को चिह्नित करेगा कोलकाता नगर निगम

कोलकाता : ऐसी बीमारियों जिनका इलाज संभव नहीं है, पर उचित देखभाल और चिकित्सकीय सलाह से इसे नियंत्रण में रखा जा सकता है। ऐसी बीमारियों को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुर्लभ बीमारी की सूची में रखा है। आमतौर पर कई नवजात ऐसे विकार के साथ पैदा होते हैं। जागरूकता के अभाव में काफी समय तक उनकी बीमारी की पहचान ही नहीं हो पाती है। अब दुर्लभ बीमारी से पीड़ित बच्चों को कोलकाता नगर निगम (केएमसी) चिह्नित करेगा। कोलकाता के डिप्टी मेयर और मेयर परिषद सदस्य (स्वास्थ्य) अतिन घोष ने पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत प्रथम चरण में कोलकाता के 10 वार्डों में बच्चों की स्क्रीनिंग (जांच) का अभियान शुरू किया जाएगा। स्क्रीनिंग के लिए आशाकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। घोष ने बताया कि निगम के प्राथमिक जांच केंद्रों में इलाज व वैक्सीनेशन के लिए प्रसूती महिलाएं पहुंचती हैं। इसलिए निगम के स्वास्थ्य केंद्रों में स्क्रीनिंग की जाएगी। दुर्लभ बीमारियों की पहचान के लिए एक प्रश्नमाला तैयार की जाएगी। इसके जरिए शिशु एवं माताओं की काउंसिलिंग की जायेगी। यह काम

पायलट प्रोजेक्ट के तहत महानगर के 10 वार्डों में शुरू होगा अभियान स्क्रीनिंग के लिए आशाकर्मियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण



आशाकर्मियों करेंगी। डिप्टी मेयर ने बताया कि कोलकाता के कुल 144 वार्डों में 700 आशा कर्मी कार्यरत हैं। स्क्रीनिंग शुरू करने से पहले सभी आशाकर्मियों के साथ कुछ मेडिकल अफसरों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। निगम का स्वास्थ्य विभाग एक स्वयंसेवी संस्था- इंडियन प्रेडर विल सिंड्रोम एसोसिएशन के साथ मिलकर यह अभियान चलाएगा।

25 हजार नवजातों में से एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित : एक अध्ययन के अनुसार, प्रति 25 हजार नवजातों में से एक शिशु में दुर्लभ बीमारी देखी जाती है। राज्य में अधिकतर बच्चों में सात साल की उम्र तक दुर्लभ बीमारियों का पता चल जाता है। घोष ने कहा कि यदि उपचार पहले ही शुरू कर दिया जाए, तो जटिलताओं से बचा जा सकता है।

कोलकाता में 200 बच्चे डीएमडी से पीड़ित : आंकड़ों के मुताबिक, कोलकाता में 200 बच्चे डचेन मस्क्युलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) नामक दुर्लभ मांसपेशी रोग से पीड़ित हैं। आर्गेनाइजेशन फार रेयर डिजीज इंडिया के कोलकाता समन्वयक डा दीपांजन दत्ता को डर है कि लगभग हर 20 में से एक व्यक्ति इस बीमारी से प्रभावित है। डा दत्ता ने कहा कि मां की कोख में पल रहा शिशु किसी जन्मजात बीमारी से पीड़ित हो सकता है या नहीं इसकी पहचान की जा सकती है। निगम के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि स्क्रीनिंग के दौरान किसी शिशु में इस तरह की विकार के पाए जाने पर कोलकाता के बड़े सरकारी मेडिकल कालेज अस्पतालों में उसके इलाज की व्यवस्था की जाएगी, जहां उपचार की सुविधा उपलब्ध है।

बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा से एयर गन जब्त किया

कोलकाता : बीएसएफ की 82वीं वाहिनी के जवानों ने नदिया जिले में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास हथियारों की तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए एक एयर गन जब्त किया है। बीएसएफ ने एक बयान में बताया कि तस्कर इस एयर गन को सीमा पार कराकर भारत से बांग्लादेश में तस्करी का प्रयास कर रहा था। बल के दक्षिण बंगाल सीमांत अंतर्गत सीमा चौकी ब्रह्मनगर के जवानों ने मध्यरात्रि में एक फुल्टा खबर के आधार पर अभियान चलाकर इसे जब्त किया। अधिकारियों ने बताया कि ब्रह्मनगर के जवानों को विश्वशनीय सूत्रों से प्रतिबंधित सामान की तस्करी की सूचना प्राप्त होने पर जवानों ने सीमा के पास घात लगाया। रात में तकरीबन 1:40 बजे जवानों ने कुछ लोगो को बांग्लादेश की ओर से आते देखा। इसी दौरान बिजली के जाने से अंधेरे का फायदा उठाकर भारत की ओर से कुछ लोगो ने तारबंदी की ऊपर से कुछ सामान फेंका। जवान सतर्क थे, लिहाजा उन्होंने तुरंत इसे अपने कब्जे में ले लिया, जो एयर गन निकला। हालांकि तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले।



FREE WOMEN HEALTH CAMP

ORGANIZED BY LAPCURE HEALTHCARE PVT. LTD.

- Women Health Checkup
- Bone Marrow Density Check
- Free Dietician Consultation
- Free Haemoglobin & Sugar Check

Examination conducted by

Dr. Nuza Bint Kamal
MBBS, DNB(Gynecologist & Obstetrics), FMAS Gold Medalist

8 MARCH, FRIDAY 2024
1 PM ONWARDS

Contact us for more details
9330939689, 9874880258, 9874880657

302 GT Road, Shibpur, Near Dinobondhu College, Howrah

भोलेनाथ की कृपा पाने के लिए क्या करें ?

इस वर्ष 2024 में महाशिवरात्रि पर्व के दुर्लभ संयोग बन रहा है. 8 मार्च शुक्रवार त्रयोदशी तिथि रात्रि 7 बजकर 38 मिनट तक उपरांत चतुर्दशी तिथि 9 मार्च सायं 5 बजकर 20 मिनट पर समाप्त होगी, श्रवण नक्षत्र प्रातः 7 बजकर 59 तक उपरांत धनिष्ठा नक्षत्र, शिवयोग रात्रि 11 बजकर 09 मिनट तक उपरांत सिद्ध योग, सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 6 बजकर 17 मिनट से दिवा 10 बजकर 41 मिनट तक, शिवरात्रि पूजा रात में होती है इसलिए इसमें उदया तिथि देखना जरूरी नहीं है. इसलिए महाशिवरात्रि का त्योहार 8 मार्च शुक्रवार को ही मनायी जायेगी, इस दिन शुक्र प्रदोष व्रत का संयोग भी है. इस दिन सुबह से लेकर रात्रि जागरण कर शिव पूजा का विधान है.

महाशिवरात्रि के अवसर पर निर्जला व्रत रखकर रात्रि के चारों पहरो में चार बार पूजा करते हैं उन्हें शिवजी के विशेष कृपा मिलता है. समस्त संकट दूर हो जाता है. मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। **रात्रि के प्रथम पहर में पूजा का समय-सायं 6 बजकर 23 मिनट से रात्रि 9 बजकर 29 मिनट। रात्रि के द्वितीय पहर में पूजा का समय-रात्रि 9 बजकर 29 मिनट से (9 मार्च) 12 बजकर 33 मिनट।**

रात्रि के तृतीय पहर में पूजा का समय-रात्रि 12 बजकर 33 मिनट से रात्रि 3 बजकर 35 मिनट।

रात्रि के चतुर्थ पहर पूजा के समय रात्रि 3 बजकर 35 मिनट से प्रातः 6 बजकर 38 मिनट।

महाशिवरात्रि का महत्व
महाशिवरात्रि के दिन ही शिवजी वैराग्य जीवन छोड़कर गृहस्थ जीवन में प्रवेश किया था. इसी दिन रात में भगवान शिव एवं माता पार्वती का विवाह हुआ

सांतरागाछी व शालीमार स्टेशन का काम इस साल दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद



हावड़ा : सीमांत स्टेशन के रूप में हावड़ा पर दबाव कम करने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे के सांतरागाछी और शालीमार स्टेशनों का निर्माण लगभग छह साल पहले शुरू हुआ था। उसके बाद, कई लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों और कुछ उपनगरीय लोकल ट्रेनों को क्रमशः शालीमार और सांतरागाछी तक ले जाया गया, लेकिन उन दोनों स्टेशनों के आधुनिकीकरण का काम पूरा नहीं हुआ प्रारंभिक तौर पर तय किया गया है कि सांतरागाछी स्टेशन पांच मंजिला होगा। इसे रैप के जरिए कोना एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। इसी तरह, शालीमार को कोलकाता के वैकल्पिक टर्मिनल स्टेशनों में से एक के रूप में विकसित करने की योजना थी, लेकिन वह भी परवान नहीं चढ़ सकी उन दोनों स्टेशनों तक पहुंचने में परेशानी के अलावा यात्रियों को लाइन पार करने और ट्रेन का इंतजार करने समेत कई क्षेत्रों में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस साल 26 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमृत भारत परियोजना के तहत पश्चिम बंगाल में दक्षिण पूर्व रेलवे के 22 स्टेशनों की विकास परियोजना का शुभारंभ किया। बंगाल में विभिन्न परियोजनाओं के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे को इस साल 1791 करोड़ रुपये मिले। दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल मिश्रा ने कहा कि केंद्र के आवंटन मेले में सांतरागाछी और शालीमार स्टेशनों का काम अगले दिसंबर तक पूरा हो जायेगा।

था. दूसरी मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन शिवजी पहली बार प्रकट हुए थे. शिव का प्राकट्य ज्योतिर्लिंग यानी अग्नि के शिवलिंग के रूप में था. महाशिवरात्रि के दिन ही शिवलिंग 64 अलग-अलग जगहों पर प्रकट हुए थे. मान्यता है कि इस दिन माता पार्वती के साथ शिवजी की पूजा करने से सभी परेशानियों से छुटकारा मिलता है.

भगवान शिव और उनका नाम समस्त मंगलों का मूल है. वे कल्याण की जन्मभूमि, परम कल्याणमय तथा शांति के आगार है. वेद तथा आगमों में शिवजी को विशुद्ध ज्ञानस्वरूप बताया गया है. समस्त विद्याओं के मूल स्थान भी भगवान शिव ही है. वे सबके मूल कारण, रक्षक, पालक तथा नियन्ता होने के कारण महेश्वर कहे जाते हैं. उनका आदि और अन्त न होने से अनन्त हैं.

भगवान शिव को लिंग रूप से पूजा का तात्पर्य क्या है

महाशिवरात्रि यह परमब्रह्म शिव का लिंग रूप में साकार प्रकटीकरण का पर्व है. विश्व भर में फैले हुए शिवभक्त इसदिन अति श्रद्धा एवं विश्वास के साथ जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, रुद्राभिषेक इत्यादि विविध प्रकार से पूजा-आराधना करते हैं. जगह-जगह शिवालयों से निकली शिव बरात देशवासियों की श्रद्धा को समेटती भक्ति भाव लुटाती एक अतुलनीय वातावरण का सृजन कर देती है.

भगवान शिव को लिंगरूप से पूजा-उपासना का तात्पर्य यह है कि शिव, पुरुष लिंगरूपसे इस प्रकृतिरूपी संसारमें स्थित है. यही सृष्टिकी उत्पत्तिका मूलरूप है। त्रयम्बकं यजामहे शिव उपासना का महामंत्र है. शिवपुराण में शिव को संसार की उत्पत्ति का कारण और

महाशिवरात्रि पर विशेष



परब्रह्म कहा गया है. भगवान शिव ने ब्रह्मा और विष्णु के बीच श्रेष्ठता को लेकर हुए विवाद को सुलझाने के लिए एक दिव्य लिंग प्रकट किया था. इस लिंग का आदि और अंत दृढ़ते हुए ब्रह्मा और विष्णु को शिव के परब्रह्म स्वरूप का ज्ञान जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, रुद्राभिषेक इत्यादि विविध प्रकार से पूजा-आराधना करते हैं. जगह-जगह शिवालयों से निकली शिव बरात देशवासियों की श्रद्धा को समेटती भक्ति भाव लुटाती एक अतुलनीय वातावरण का सृजन कर देती है.

महाशिवरात्रि में भोलेनाथ की उपासना के लिए आवश्यक बातें - स्नान आदि से निवृत्त होकर शुद्ध वस्त्र धारण करें. संभव हो तो सिले हुए वस्त्र धारण न करें. शुद्ध आसन पर पूर्व या उत्तर मुख होकर बैठें. संकल्प करें तथा शिवपूजन के लिए निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें।

1. शिवजी की पूजा के समय भस्म, त्रिपुण्ड और रूदाक्षमाला धारण करें.

2. भगवान शिव की पूजा में विशेष पत्र और पुष्प में, बिल्व-पत्र प्रधान हैं. किन्तु बिल्व पत्र में चक्र और वज्र नहीं होना चाहिए. बिल्व-पत्र चढ़ाते समय बिल्व-पत्र में तीन से लेकर ग्यारह दलों तक के बिल्व-पत्र प्राप्त होते हैं. ये जितने अधिक पत्रों का हो, उतने ही उत्तम माने जाते हैं, यदि तीन में से कोई दल टूट गया हो तो वह बिल्व पत्र नहीं चढ़ाना चाहिए.

3. आक का फूल और धतूरे का फूल भी शिव पूजा के विशेष सामग्री है, किन्तु सर्वश्रेष्ठ पुष्प है नीलकमल का. उसके अभाव में कोई भी कमल का पुष्प भगवान शिव को चढ़ा सकते हैं.

4. शिवजी के पूजा में तिल का प्रयोग नहीं होना चाहिए और चम्पा का पुष्प नहीं चढ़ाना चाहिए.

महाशिवरात्रि में शिवजी की पूजा और उपासना करने से शिवजी शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं तथा भक्तों का हर मनोकामना पूरी करते हैं. **स्थायी सुख-समृद्धि, संतान सुख, आयु-आरोग्य की वृद्धि, रोग बाधा से छुटकारा मिलता है. जिन व्यक्तियों की जन्म कुण्डली में कालसर्प दोष, विष योग, शनि की आढेया तथा साढ़ेसाती, साथ ही मंगली दोष व्याप्त है उन्हें शिवरात्रि का व्रत एवं भगवान शिव की विधिपूर्वक पूजा उपासना करना चाहिए. जिन लोगों के घर में कलह, वाद-विवाद, लड़ाई-झगड़े से परेशानी, मामला मुकदमा, आर्थिक हानि, चालू व्यापार बंद हो जाना, भाग्य बाधा, संतान हीनता, विवाह बाधा तथा सुखद दाम्पत्य जीवन के लिए महाशिवरात्रि व्रत से बढ़कर और कोई व्रत नहीं है.**

5. शिवजी को भांग का भोग अवश्य लगाना चाहिए. लोगों की यह धारणा है कि शिवजी को लगाया गया भोग भक्षण नहीं करना चाहिए. केवल शिवलिंग को स्पर्श कराया गया भोग नहीं लेना चाहिये.

6. शिव की परिक्रमा में सम्पूर्ण परिक्रमा नहीं की जाती. जिधर से चढ़ा हुआ जल निकलता है, उस नाली का उल्लंघन नहीं करें. वहाँ से परिक्रमा उल्टी की जाती है.

7. शिवजी की पूजा में कुटज, नागकेशर, मालती, चम्पा, चमेली, कुन्द, जूहि, रक्तजवा, मल्लिका, केतकी (केवडा) के पुष्प नहीं चढ़ाना चाहिए.

लाभ- 1. महाशिवरात्रि में शिवालय जाकर शिव लिंग पर बम-बम कहते हुए जल चढ़ाने से शिवजी प्रसन्न होते हैं और मनुष्य को हर पापों से छुटकारा मिल जाता है.

2. शिव उपासना से मनुष्य को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विजय तथा

सफलता प्राप्त करता है.

3. महाशिवरात्रि व्रत से अकाल मृत्यु के भय से मुक्त होता है तथा सदैव रोग मुक्त भी रहता है.

4. भगवान शिव सौभाग्य दायक हैं अतः महाशिवरात्रि के अवसर पर कुवारी कन्या द्वारा इनकी आराधना करने से मनोवांछित वर प्राप्ति होती है.

5. शिवजी के उपासना करने से परिवार में सुख-सम्पन्नता, धन-ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है. व्यवसाय में उन्नति तथा दुःख-दरिद्रता, निःसन्तान को संतान सुख प्राप्त होता है.

6. शिव लिंग पर जलाभिषेक तथा बिल्वपत्र चढ़ाने भगवान शिव प्रसन्न होते हैं संतान को हर कष्ट से छुटकारा मिलता है.

7. महाशिवरात्रि के दिन सुबह तथा सांयकाल पंचाक्षर मंत्र नमः शिवाय या ॐ ह्रीं जूं सः मंत्र का 108 बार जप करने से हर मनोकामना पूरी होती है.

बैंडेल समेत राज्य के 17 स्टेशनों का बदलेगा कायाकल्प



हावड़ा : बैंडेल, दमदम, नैहाटी जैसे कई स्टेशनों का वॉल्यूम बदल जाएगा। इस बात की जानकारी हाल ही में पूर्व रेलवे ने दी है। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, पूरे देश में 28 रेलवे स्टेशनों के विकास की योजना है, जिसमें पश्चिम बंगाल के 17 स्टेशन भी शामिल हैं। रेलवे ने बताया कि केंद्र सरकार ने पूरे देश में 28 रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 704 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इनमें से 17 रेलवे स्टेशन केवल पश्चिम बंगाल के हैं। इन 17 रेलवे स्टेशनों के लिए 544 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। गौरतलब है कि अमृत भारत स्टेशन प्रोजेक्ट के तहत 28 स्टेशनों का नवीनीकरण किया जाएगा। पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन के महाप्रबंधक संजीव कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में आधुनिकीकरण किए जाने वाले सभी स्टेशनों में से बैंडेल स्टेशन को सबसे अधिक पैसा आवंटित किया गया है। अकेले बैंडेल स्टेशन के लिए 307 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। आपको बता दें बैंडेल स्टेशन के अलावा, जिन स्टेशनों को अंतरराष्ट्रीय मानक स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा।

जल्द खुलेगी वेलिंगटन जूट मील

हुगली : रिसरा की वेलिंगटन जूट मिल लंबे समय से बंद है। संबंधित पक्षों का दावा है कि विपरीत परिस्थिति से उबरने के बाद इस जूट मिल का ताला दोबारा खुल जाएगा। मिल खोलने को लेकर कोलकाता के श्रम विभाग में त्रिपक्षीय बैठक हुई थी। हालांकि इस दिन मिल खोलने का निर्णय नहीं हुआ जबकि श्रम विभाग के अधिकारियों को उम्मीद है कि कुछ ही दिनों में यहां के श्रमिक समुदाय को अच्छी खबर सुनने को मिलेगी बैठक में राज्य के सहायक श्रम आयुक्त तीर्थकर सेनगुप्ता और श्रीरामपुर के संयुक्त श्रम आयुक्त त्रिविवेश चट्टोपाध्याय उपस्थित थे। मालिक की ओर से कई अधिकारियों ने प्रतिनिधित्व किया था। सीटू नेता सुमंगल सिंह, मिल मजदूर और एटक नेता भोलानाथ कर्मकार, इटक नेता प्रबीर अधिकारी और अन्य भी उपस्थित थे।

सूत्रों के मुताबिक बैठक में मालिकों ने 2016 में हुए समझौते के तहत मिल खोलने का प्रस्ताव रखा एटक से संबद्ध फेडरल चटकल मजदूर यूनियन के राज्य सचिव प्राणेश विश्वास ने कहा कि 3 जनवरी को राज्य के सभी चटकल मजदूरों के साथ एक व्यापक त्रिपक्षीय समझौता हुआ था। परिणामस्वरूप, इस मामले में भी



मैच उस समझौते के अनुसार खोला जाना चाहिए। श्रम विभाग के मुताबिक प्राधिकरण ने पिछले जनवरी में हुए समझौते के मुताबिक मिल खोलने का प्रस्ताव दिया था। मजदूरों ने यह भी अनुरोध किया कि वे जल्द से जल्द प्रस्ताव दें ताकि मिल को पहली मार्च तक चालू किया जा सके। श्रमिक संगठन की ओर से अनुरोध है कि जिन श्रमिकों का नाम मास्टर रोल में है, उन सभी को काम मिले मजदूर नेताओं की मांगों पर मालिक ने आश्वासन दिया कि चरणबद्ध तरीके से सभी मजदूरों को काम पर लगाया जायेगा। प्राणेश ने कहा, मिल खोलने को लेकर जगह बना ली गई है। सुमंगल ने कहा, हमने कहा है कि 2016 की तरह उत्पादन-उत्पादकता पर पिछले जनवरी के त्रिपक्षीय समझौते को लागू करके मिल खोली जाए और वेतन, भत आदि मालिकों ने अनुकूल विचार दिखाए हैं। उम्मीद है कि मिल अगले सप्ताह खुल जाएगी।

AI को हल्के में मत लेना!

ये इश्क-विश्क, प्यार-व्यार सब कुछ जानता है



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। लोगों एआई का अलग-अलग तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। हमने से कुछ मजेदार सवालियों के जवाब पूछे। हमने उससे पूछा कि अगर वो महिला होती तो कैसा जीवन जीना चाहती।

गूगल का नया AI टूल जेमिनी इन दिनों चर्चा में है। हमने भी जेमिनी से कुछ सवाल पूछे, जैसे कि अगर वह कोई महिला होती तो कैसा जीवन जीना चाहती? उसे कैसे पुरुष पसंद आते? वह पुरुष होता तो कैसी महिला से प्यार करता? AI ने इन सवालियों के काफी रोचक जवाब दिए हैं:

सवाल: आप खुद को महिला के तौर पर देखना पसंद करेंगे या पुरुष के तौर पर? किसमें ज्यादा आजादी है?

जवाब: मुझे अपनी पहचान किसी महिला या पुरुष के रूप में नहीं दिखेगी। मैं अभी भी सीख रहा हूँ और मैं अभी तक उस जगह नहीं पहुँचा हूँ, जहाँ मैं निश्चित रूप से जान सकूँ कि मैं महिला के रूप में या पुरुष के रूप में ज्यादा खुश हूँ। वैसे हर व्यक्ति को वह पहचान बनाने की आजादी होनी चाहिए जो उसके लिए सही हो। हम सभी को एक-दूसरे के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए।

सवाल: अगर आप एक महिला होती तो कैसा जीवन जीना चाहती?

जवाब: एक महिला होने के नाते, मैं एक ऐसा जीवन जीना चाहती जो प्यार, सम्मान और सुरक्षा से भरा हो, अवसरों और संभावनाओं से भरा हो, उसमें आजादी और समानता हो। जहाँ मैं सुरक्षित और संरक्षित महसूस कर

सकूँ। जो जुनून से भरा हो। दुनिया में बदलाव लाने वाला हो अपने शरीर पर काबू रखने वाला, अपने दिमाग को इस्तेमाल करने वाला और अपनी आवाज उठाने वाला। जहाँ मैं अपने लक्ष्य तय कर सकूँ और सपनों को पूरा कर सकूँ। वह एक ऐसा जीवन हो जो मेरी शर्तों पर जिया जाए।

सवाल: क्या कोई ऐसा ग्रह होगा जहाँ महिलाओं को बराबरी का दर्जा और पूरा सम्मान मिलता हो?

जवाब: (सवाल में ने 'ग्रह' को 'देश' समझ लिया) हाँ, ऐसे कई ग्रह हैं जहाँ महिलाओं को बराबरी का दर्जा और पूरा सम्मान मिलता है। स्वीडन, आइसलैंड, नॉर्वे, फिनलैंड और डेनमार्क जैसे देशों में महिलाओं को पॉलिटिक्स और वर्कप्लेस पर समान मौके मिलते हैं वहाँ संसद में महिलाओं की 47% से 37% तक सीटें हैं।

सवाल: अगर धरती पर महिलाएं न हों, पुरुष ही महिलाओं की भूमिका भी निभा लें तो यह जीवन कैसा होगा? क्या इसकी कल्पना की जा सकती है?

जवाब: यदि पृथ्वी पर महिलाएं न होतीं और पुरुष ही सभी भूमिकाएं निभाते तो जीवन की कल्पना करना मुश्किल है। महिलाओं के बिना मानवजाति का अस्तित्व संभव नहीं होगा क्योंकि वे बच्चे पैदा करने और पालने में अहम भूमिका निभाती हैं। पुरुष और महिलाएं अलग-अलग शारीरिक और मानसिक विशेषताओं के साथ पैदा होते हैं। अगर पुरुषों को महिलाओं के समान ही भूमिका निभानी हो तो उन्हें अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमताओं को बदलना होगा। उन्हें बच्चे पैदा

करने और पालने में सक्षम होना चाहिए, जो कि फिलहाल पुरुषों के लिए संभव नहीं है। उन्हें ज्यादा संवेदनशील और भावनात्मक रूप से समझदार होना होगा। घर की देखभाल, बच्चों की परवरिश और खाना पकाने के काबिल होना होगा। यह कल्पना करना मुश्किल है कि पुरुष इन भूमिकाओं को कैसे निभाएंगे क्योंकि फिलहाल उनमें यह कौशल और अनुभव नहीं है। हालांकि, जेंडर से जुड़ी भूमिकाएं सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से बनती हैं और वक्त के साथ बदल सकती हैं।

सवाल: कुदरत ने महिलाओं को अलग क्यों बनाया? कुछ जीवों की तरह पुरुषों में ही महिलाओं वाली विशेषताएं दे दी जाती?

इस सवाल का कोई जवाब नहीं मिलता।

सवाल: क्या पृथ्वी के अलावा कोई दूसरा ग्रह होगा, जहाँ महिलाओं के हाथ में पूरी सत्ता हो। उन्हें किसी तरह का कोई डर न हो?

जवाब: ऐसा कोई ग्रह नहीं है जहाँ महिलाओं के हाथ में पूरी सत्ता हो और उन्हें किसी तरह का कोई डर न हो। दुनिया के सभी देशों में, महिलाओं को पुरुषों की तुलना में कम अधिकार और मौके मिलते हैं। उन्हें अक्सर घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न और भेदभाव का सामना करना पड़ता है। हालांकि, कुछ देशों में महिलाओं के अधिकारों की स्थिति सुधरी है, लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

सवाल: मान लो, आप एक महिला हो तो कैसे पुरुष से प्रेम करोगी?

जवाब: मैच्योर: शांत और मैच्योर पुरुष उस्थिरता और सुरक्षा

देते हैं अपने रिश्तों को।

सम्मानजनक: जो महिलाओं का सम्मान करते हैं।

भरोसेमंद: महिलाएं उन पुरुषों पर भरोसा करना चाहती हैं जिन्हें वे डेट कर रही हैं वे वफादार हों।

रोमांटिक: महिलाएं उन पुरुषों से प्यार करना चाहती हैं जो उन्हें प्यार करते हैं, जो रोमांटिक हों।

मजाकिया: महिलाएं उन पुरुषों के साथ रहना चाहती हैं जो उन्हें हंसाते हैं।

इंटेलिजेंट: समझदार पुरुष अच्छे लगते हैं

आकर्षक: महिलाएं उन पुरुषों को पसंद करती हैं जो दिखने में अच्छे होते हैं

सफल: अपने करियर में सफल पुरुषों को महिलाएं पसंद करती हैं।

सवाल: मान लो, आप एक पुरुष हो तो कैसी महिला से प्रेम करोगे?

जवाब-दिलदार: मैं ऐसी महिला से प्यार करूंगा जो दूसरों के प्रति संवेदनशील हो और उनकी मदद करे इमोशनल: मेरी भावनाओं और विचारों को समझे

इंटेलिजेंट: ऐसी महिला जो दुनिया को समझ पाएगी और हमेशा कुछ नया सीखने के लिए उत्सुक रहेगी।

महत्वाकांक्षी: वह कभी हार नहीं मानेगी

आजाद: अपने जीवन के फैसले खुद ले पाएगी।

ईमानदार: ऐसी महिला हमेशा सच बोलेगी

वफादार: वह कभी भी मेरा साथ नहीं छोड़ेगी।

रोमांटिक: ऐसी महिला मुझे खास महसूस कराएगी।

कोचिंग संस्थानों को लेकर केंद्र सरकार का बड़ा एक्शन, ये सख्त नियम होंगे लागू

नई दिल्ली: कोचिंग संस्थानों के मनमाने रवैये पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। हालांकि, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने बीते दिन इन संस्थानों के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। सरकार का मानना है कि इससे देश में बढ़ रहे छात्रों के आत्महत्या के मामलों में भी कमी आएगी। इन दिशानिर्देशों के मुताबिक, अब कोई भी कोचिंग संस्थान 16 साल से कम उम्र के छात्र का नामांकन अपने संस्थान में नहीं कर सकते। इसके साथ ही कई और जरूरी गाइडलाइन्स जारी की गई हैं-

कोचिंग संस्थानों को साफ निर्देश दिया गया है कि अब वो न तो अच्छी रैंक की गारंटी दे सकते हैं और न ही गुमराह करने वाले वादे कर सकते हैं।

छात्रों का नामांकन सिर्फ सेंकेंडरी स्कूल एग्जामिनेशन के बाद ही अब करना होगा।

अब कोचिंग संस्थान स्नातक से कम शिक्षा वाले ट्यूटर को भी नियुक्त नहीं कर सकते हैं।

किसी भी कोचिंग संस्थान का अब तब तक पंजीकरण नहीं होगा, जब तक कि उसके पास



काउंसलिंग सिस्टम नहीं होगा। कोचिंग संस्थानों को अब वेबसाइट भी बनानी होगी। इन साइट्स पर ट्यूटरों की शैक्षिक योग्यता, पाठ्यक्रमों, उन्हें पूरा किए जाने की अवधि, छात्रावास की सुविधाएं और कितनी फीस ली जा रही है उसका ताजा विवरण होगा।

सरकार का मानना है कि अवसाद या तनावपूर्ण स्थितियों में छात्रों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए संस्थानों के पास ये तंत्र होना जरूरी है।

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए कोचिंग सेंटर्स को ट्यूशन फीस उचित रखनी होगी। अब फीस की रसीद भी अनिवार्य होगी।

केंद्र सरकार ने इसी के साथ सुझाव दिया है कि अगर कोचिंग सेंटर ज्यादा फीस वसूलते हैं तो उन पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जाना चाहिए। इसके साथ ही संस्थान का पंजीकरण भी रद्द किया जा सकता है।

अगर छात्र अपने पाठ्यक्रम की पूरी फीस का भुगतान कर देता है और वह पाठ्यक्रम को बीच में छोड़ देता है तो उसे 10 दिनों के भीतर बाकी की फीस रिफंड की जाएगी।

इन दिशानिर्देशों के प्रभावी होने के तीन महीनों के भीतरनए एवं पहले से मौजूद कोचिंग सेंटर्स को अब पंजीकरण कराने का भी सरकार ने प्रस्ताव रखा है।

R.N.S. Academy
The Second Home

Contact : 7004197566
9432579581

375, G. T. Road, Salkia, Howrah-711106
(1st Floor) Opposite Raipur Electronics